

डॉ. एलेन फिलिप्स, पुराना नियम, व्याख्यान 4, उत्पत्ति 3-4, पतन और कैन

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

खैर, सुप्रभात। आज सुबह मसीह की शांति आपके साथ हो। क्या आप जानते हैं कि इसके जवाब में क्या कहना है? और साथ ही, आपके साथ भी।

जैसे-जैसे यह सेमेस्टर आगे बढ़ेगा, मैं आपको कई अलग-अलग तरीकों से बधाई दूँगा। यह उनमें से एक है, इसलिए आप इसके लिए तैयार हो सकते हैं। दूसरा तरीका है गुड मॉर्निंग के लिए हिब्रू अभिवादन, जो बोकर टोव है।

लेकिन हम सोमवार को ऐसा करेंगे, ठीक है? हम सोमवार को ऐसा करेंगे। मैंने आज रास्ते में कार में गाना गाकर देखा कि क्या यह कारगर होगा, और यह बहुत मज़ेदार था। इसलिए हम आज गाना नहीं गाएँगे।

आप सप्ताहांत में मेरी आवाज़ के लिए प्रार्थना कर सकते हैं ताकि सोमवार तक इसे सुनना थोड़ा और अच्छा हो जाए। मैं माफ़ी चाहता हूँ क्योंकि यह सुनने में बहुत सुखद नहीं है, लेकिन भगवान की इच्छा से, हम एक साथ एक घंटा बिता लेंगे। गाने के बजाय, मैं आपको भजन 90 का हिस्सा पढ़ना चाहूँगा।

हमने भजन 100 पढ़ लिया है। हमने भजन 86 और उसके कुछ अंशों को पढ़ लिया है। मैं आज सुबह आपको भजन 90 का एक अंश पढ़ना चाहूँगा क्योंकि इसमें कुछ ऐसी बातों का संकेत है जिनके बारे में हम बात करने जा रहे हैं जब हम आदम और हव्वा के प्रलोभन में पड़ने के परिणामों के बारे में बात करेंगे।

तो, भजन 90, श्लोक 1 से शुरू करते हुए। हे प्रभु, आप सभी पीढ़ियों में हमारे निवास स्थान रहे हैं। पहाड़ों के जन्म से पहले, या आपने पृथ्वी और दुनिया को जन्म दिया, अनादि काल से अनन्त काल तक, आप ईश्वर हैं। आप मनुष्यों को वापस धूल में बदल देते हैं।

आज हम जिस बात पर चर्चा करने जा रहे हैं, वह यह है कि हे मनुष्यों, धूल में मिल जाओ, क्योंकि तुम्हारी दृष्टि में एक हजार दिन ऐसे हैं जैसे अभी-अभी एक दिन बीता हो या रात का एक पहर। पद 12 पर जाएँ।

हमें अपने दिन ठीक से गिनना सिखा, ताकि हम बुद्धि से भरा मन पा सकें। आइए हम इसे फिर से करें। हमें अपने दिन ठीक से गिनना सिखा, ताकि हम बुद्धि से भरा मन पा सकें।

और फिर, अंत में, अंतिम दो छंद। तेरे काम तेरे सेवकों को दिखें, और तेरा वैभव उनके बच्चों को दिखें। प्रभु की कृपा हम पर बनी रहे।

हमारे हाथों के काम को हमारे लिए स्थापित करें। हाँ, कृपया हमारे हाथों के काम को स्थापित करें। आइए आज हम यही प्रार्थना करें कि आज हम जो काम कर रहे हैं, वे सिर्फ ऐसे काम न हों जिन्हें किया जाना है, बल्कि वे काम हों जो राज्य के लिए सार्थक हों।

चाहे हम राज्य में अपनी फलदायकता बढ़ाना सीख रहे हों या शायद किसी तरह की सेवा परियोजना में शामिल हो रहे हों, हम जो भी कर रहे हैं। आइए प्रार्थना करें कि प्रभु हमारे हाथों के काम को स्थापित करें।

आइए हम एक साथ प्रार्थना करें। हमारे दयालु स्वर्गीय पिता, जैसा कि हम इस घंटे को एक साथ शुरू करते हैं, हम आपके द्वारा हमारे लिए की गई भलाई के बारे में याद करते हैं।

हम इस बात को ध्यान में रखते हैं कि आप इस ब्रह्मांड के निर्माता और पालनकर्ता हैं जिसमें हमें रहने का सौभाग्य मिला है। पिता, हम जानते हैं कि यह खुशियों और सुंदरता से भरा है जिसे आपने इसमें स्थापित किया है। यह निराशा और अंधकार से भी भरा है।

इसलिए, हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें इस अंधेरी पीढ़ी में रोशनी बनने में मदद करें। और अपनी आत्मा के द्वारा, उन लोगों के लिए हमारे दिलों को रोशन करें जो इस दिन के दुख और उदासी को महसूस कर रहे हैं। मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप आज मुझे सिखाने में मदद करें।

हम जब सोचते और बोलते हैं तो हमें स्पष्टता मिले। लेकिन सबसे बढ़कर, प्रभु, हम प्रार्थना करते हैं कि आप अपने वचन को हमारे दिलों पर लागू करें। और हम यह मसीह के नाम पर, धन्यवाद के साथ माँगते हैं। आमीन।

खैर, आप हमारे सामने पतन के परिणामों का एक कलात्मक चित्रण देख सकते हैं, या पतन के परिणामों में से एक, क्योंकि वहाँ, निश्चित रूप से, आप आदम और हव्वा को झाड़ियों में जाते हुए देख सकते हैं। हम उन कांटों और ऊँटकटारों के बारे में पढ़ते हैं जो आदम का सामना करेंगे जब वह ज़मीन की देखभाल करेगा।

मैं इसके बारे में थोड़ी देर बाद बात करूँगा। इस समय तक, हम यह भी देखते हैं कि वे कपड़े पहने हुए हैं, जो पतन के परिणामों में से एक है।

और फिर हम देखते हैं कि तलवार के साथ खड़ा करूब का चित्र, ईडन गार्डन के प्रवेश द्वार की रखवाली कर रहा है। उस चित्र में मौजूद हर पहलू और मैंने अभी-अभी जिन चीज़ों का ज़िक्र किया है, उनमें हर तरह की समृद्धि, परिपूर्णता और महत्व निहित है। उम्मीद है कि हम आज उनमें से कुछ पर चर्चा कर पाएँगे।

आज बहुत सारे सवाल हैं, और मैं निश्चित रूप से आपके सवालों का स्वागत करता हूँ। फिर से कहूँगा कि मैं शायद उनमें से कई सवालों का न्याय नहीं कर पाऊँगा।

लेकिन कम से कम हम उन पर थोड़ी चर्चा तो कर सकते हैं। इसलिए, अगर कुछ देना-लेना और आदान-प्रदान होता है, तो मैं इसका स्वागत करता हूँ। आइए देखें कि पतन के रूप में हम जो जानते हैं, उसके लिए यहाँ क्या सेटिंग है।

वैसे, मैं जानता हूँ कि मानक सुधारवादी धर्मशास्त्र सृजन, पतन और मुक्ति के साथ चलता है। आपने कहीं न कहीं यह सीखा है, है न? सृजन, पतन, मुक्ति। मैं पतन शब्द से पूरी तरह सहमत नहीं हूँ।

और क्या आप जानते हैं क्यों? मेरा मतलब है, मैं धर्मशास्त्र बदलने वाला नहीं हूँ। मेरा विश्वास करें, मैं ऐसा नहीं करूँगा। लेकिन गिरने का मतलब है कि मैं लड़खड़ा गया, और मैं गिर गया।

गिरना जानबूझकर नहीं होता। हममें से ज्यादातर लोग जब गिरते हैं तो शर्मिंदा होते हैं और फिर से उछलकर खड़े हो जाते हैं। हमें तब तक पता नहीं चलता कि ऐसा क्यों हुआ जब तक कि यह हो नहीं जाता और हम इसका विश्लेषण करना शुरू नहीं कर देते। जब आप देखते हैं कि हव्वा और आदम ने क्या किया, तो आपको लगेगा कि यह काफी जानबूझकर किया गया था, है न? दोनों के बीच बातचीत होती रहती है।

इसलिए, मैं इसे सृजन, भ्रष्टाचार, सुधार कहना ज्यादा पसंद करूँगा। मुझे पता है। इसमें कुछ अनुप्रास भी है।

लेकिन इस चीज़ के पीछे एक प्रक्रिया है जिसे हम बहुत ही सहजता से गिरना कहते हैं और यह कोई आकस्मिक फिसलन नहीं है। तो, आइए इसे ध्यान में रखें और फिर कुछ परिस्थितियों पर नज़र डालें जो इस तस्वीर का अभिन्न अंग हैं। और मैं आपसे कुछ सवाल पूछ सकता हूँ क्योंकि मैं खुद को बोलते हुए सुनकर थक गया हूँ।

लेकिन खुद को याद दिलाने के लिए, हमें एक ऐसी रचना मिली है जिसके बारे में भगवान ने अंत में कहा है, जो बहुत अच्छी है। इस समय सब कुछ एकदम सही है। इसलिए, यह रचना बहुत अच्छी और महत्वपूर्ण है।

ये अगले दो एक साथ चलते हैं। हम सीखते हैं कि बगीचा एक मेहमाननवाज़ जगह है। अध्याय 2, श्लोक 8 पर ध्यान दें। प्रभु परमेश्वर ने पूर्व में, अदन में एक बगीचा लगाया था।

वैसे, इस उद्यान के बारे में कई तरह के विचार हैं कि यह उद्यान कहाँ हो सकता है। हम नहीं जानते। इस उद्यान के बारे में कई तरह के धार्मिक विचार हैं कि यह स्वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका मंदिर की संरचना से भी कुछ मेल है।

यह दिलचस्प बात है। हम शायद बाद में इस पर चर्चा करेंगे। लेकिन अभी के लिए, बस पूर्व दिशा में स्थित बगीचे पर ध्यान दें।

और उसने वहाँ मनुष्य को रखा, जो कि आदम है। और प्रभु परमेश्वर ने बगीचे में सभी प्रकार के पेड़ उगाए, वे पेड़ जो देखने में अच्छे थे और खाने के लिए अच्छे थे। और फिर, बेशक, बगीचे के बीच में जीवन का पेड़ और अच्छाई और बुराई के ज्ञान का पेड़ था।

और जैसा कि हम अगले कुछ श्लोकों में देखते हैं, वहाँ पानी की प्रचुरता है। और फिर, अंत में, ध्यान दें कि आदम और हव्वा को बगीचे में किसी भी पेड़ से खाने का विशेषाधिकार दिया गया था, सिवाय एक के। हम एक मिनट में उस पर वापस आएँगे।

तो, यह एक मेहमाननवाज़ जगह है, जिसका केंद्र जीवन का पेड़ है, जिसके कई दिलचस्प निहितार्थ भी हैं। जीवन का पेड़ फिर से दिखाई देने वाला है, आप में से जिनके पास नया नियम है। कहाँ? ठीक-ठीक, प्रकाशितवाक्य की किताब में।

नीतिवचन की पुस्तक में भी इसे समय-समय पर बुद्धि के साथ समानांतर रूप से दर्शाया गया है। इसलिए इसे भी ध्यान में रखें। यह यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रतीकात्मक बात है।

दूसरी बात जो हम ध्यान में रखना चाहते हैं वह यह है कि जब हव्वा को बनाया गया था, तो वह आदम की हड्डी की हड्डी और उसके मांस का मांस थी। वे कई मायनों में एक हैं। मैं अध्याय 2 के अंत में थोड़ा सा पढ़ना चाहता हूँ। आदम ने कुछ समय तक प्रतीक्षा की, उसने सभी पेड़ों का नाम रखा, उसने अकेलेपन का अनुभव किया, और यह अच्छा नहीं है।

यह पहली बात है जिसे अच्छा नहीं कहा गया, कि आदम अकेला है। और इसलिए परमेश्वर किसी ऐसे व्यक्ति को खोजने जा रहा है जो उसका सहायक हो। हमने पिछली बार इस बारे में बात की थी कि उसके विपरीत एक सहायक के निहितार्थ क्या हैं, कोई ऐसा व्यक्ति जो उसके साथ एक ही जमीन पर हो, उसके साथ हो।

वैसे भी, कुछ समय बीत जाता है। वह प्राणियों का नाम रखता है, और फिर परमेश्वर आदम की पसली निकालता है। उसकी पसली की अंतरंगता, वहाँ समानांतर प्रकृति पर ध्यान दें, और वह हव्वा बनाता है।

वह घोषणा करता है कि वह उसके साथ एक है, यदि आप चाहें तो। यह मेरी हड्डी की हड्डी है, मेरे मांस का मांस है - श्लोक 24।

इस कारण से, एक आदमी अपने पिता और माँ को छोड़ देगा और अपनी पत्नी से जुड़ जाएगा, और वे एक शरीर बन जाएँगे। बस मुझे इसके बारे में कुछ बातें कहने दीजिए। प्राचीन निकट पूर्व साहित्य में यह एकमात्र स्थान है जहाँ एक आदमी अपनी पत्नी से जुड़ने के लिए छोड़ देता है।

और हम आमतौर पर इसके विपरीत सोचते हैं, है न? महिला अपने माता-पिता को छोड़ देती है और अपने पति से शादी कर लेती है। वह उसका नाम लेती है, वगैरह, वगैरह, वगैरह। क्या यह दिलचस्प नहीं है? इस कहानी में, हमने देखा है कि पुरुष अपने माता-पिता को छोड़कर अपनी पत्नी के पास आता है, और वे एक शरीर बन जाते हैं।

यहाँ एक उल्लेखनीय अंतरंगता है। मैं चाहता हूँ कि आप इसे ध्यान में रखें। यह महत्वपूर्ण है।

बेशक, अध्याय 2 की अंतिम पंक्ति भी महत्वपूर्ण है। आदमी और उसकी पत्नी दोनों नग्न थे। यह एक आकर्षक शब्द है, और मैं इस पर वापस आने वाला हूँ।

फिर से, आप सोचेंगे कि मैं आपको सिर्फ़ हिब्रू सिखाता हूँ, और यह मुद्दा नहीं है। लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप यहाँ naked के पीछे का शब्द जानें। यह arum है।

अगर आप इसे लिखना चाहते हैं, तो इसका नाम है ARUM। यह लिखने का एक आसान तरीका है। जब यह बहुवचन में होता है, तो इसका नाम है arumim ।

तो, आदमी और उसकी पत्नी अरुमिम हैं। वे नग्न हैं, और उन्हें कोई शर्म नहीं है। तो, यहाँ सामंजस्य है, अंतरंगता है, और यहाँ एक समतावादी दृष्टिकोण चल रहा है।

यह महत्वपूर्ण है। हम कुछ समय बाद इस विषय पर वापस आएंगे, जो आपको आश्चर्यचकित कर सकता है, बशर्ते कि आप पहले से ही इस सब से गुज़रे न हों। ठीक है, आगे की बातें आगे।

यहाँ पर एक बहुत ही चर्चित विषय आता है, अच्छाई और बुराई के ज्ञान का वृक्ष। हम पहले ही पढ़ चुके हैं कि यह जीवन के वृक्ष के साथ ही है। लेकिन अब निषेध पर नज़र डालें।

मैं आपको अध्याय 2, श्लोक 16 और 17 पढ़कर सुनाऊँगा। प्रभु परमेश्वर... फिर से, एक बात याद रखें जिसका हमने पिछली बार ज़िक्र किया था। दोनों दिव्य नाम, एलोहिम, जिसका अनुवाद ईश्वर है, और यहोवा, जिसका अनुवाद प्रभु है, बड़े अक्षरों में, इस संदर्भ में एक साथ उपयोग किए गए हैं।

भगवान भगवान ने आदम को आदेश दिया, तुम बगीचे में किसी भी पेड़ से खाने के लिए स्वतंत्र हो, श्लोक 17, लेकिन तुम्हें अच्छे और बुरे के ज्ञान के पेड़ से नहीं खाना चाहिए, क्योंकि सचमुच, अभी अपने NIV को नहीं पढ़ रहा हूँ, लेकिन सचमुच, जिस योम में तुम इसे खाओगे, तुम निश्चित रूप से मर जाओगे। ठीक है? हालाँकि, दिन में, हम यह समझने जा रहे हैं कि, जिस योम में तुम इसे खाओगे, तुम निश्चित रूप से मर जाओगे। ठीक है, बस कुछ चीज़ें हैं जिन पर हम यहाँ रुकना चाहते हैं, और फिर से, यह कुछ सवाल पैदा कर सकता है, और यह ठीक है, मैं आपके सवालों को आमंत्रित करता हूँ।

पहली बात यह है कि अच्छाई और बुराई को जानने का क्या मतलब है? यह चुनौतीपूर्ण है। क्या उन्हें पहले से यह नहीं पता था? अगर कोई निषेध है, तो क्या उन्हें यह नहीं पता? वगैरह, वगैरह, वगैरह। मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ, जिसके बारे में मैं शायद 85% आश्वस्त हूँ, क्योंकि इसके कुछ निहितार्थ हैं जो हम इस बारे में कहना चाहेंगे।

जानना ' शब्द का अर्थ ' यादा' है, जिसके कई अर्थ हैं। वैसे, हम आगे चलकर यह पता लगाएंगे कि इस पाठ में यादा का इस्तेमाल अक्सर किया जाता है, खास तौर पर उत्पत्ति में, यौन रूप से जानने के विचार के साथ। लेकिन इस पर एक पल के लिए रुकें।

यह भी सुझाव है, और मुझे यह पसंद है, कि जब इस संदर्भ में यादा, जानना, का उपयोग किया जाता है, तो इसका मतलब सिर्फ यह नहीं है कि यह मेरे दिमाग में बैठ गया है। इसका मतलब है परिभाषित करने के इरादे से जानना। दूसरे शब्दों में, शायद यहाँ जो सुझाव दिया जा रहा है वह यह है कि जब साँप प्रलोभन उठाता है, तो वह हव्वा और आदम के सामने लेटा होता है, जो उसके साथ होते हैं; जैसा कि हम देखेंगे, प्रलोभन अच्छाई और बुराई के लिए परिभाषित करने की प्रक्रिया है।

इसे ईश्वर से दूर करना, जो अच्छाई का निर्माता है, और जो इन चीजों को जानता है, और इसे अपने ऊपर लेना, खुद के लिए अच्छाई और बुराई को परिभाषित करने का विशेषाधिकार और जिम्मेदारी खुद पर थोपना है। इसके बारे में सभी तरह के दिलचस्प सक्रिय निहितार्थ हैं। मैं चाहता हूँ कि आप इस पर थोड़ा विचार करें, अगर आप चाहें तो इसके बारे में सवाल पूछें।

पहले मैं कुछ और बातें कहना चाहता हूँ। फिर से, मैंने पहले ही इस पर ज़ोर दिया है, लेकिन मुझे लगता है कि यह फिर से ध्यान देने योग्य है। आदम और हव्वा फल खाने के 24 घंटे के भीतर नहीं मरते।

वास्तव में, वे उसके बाद भी सदियों तक जीवित रहते हैं। और इसलिए शायद योम का अर्थ सिर्फ 24 घंटे के दिन से अलग भी हो सकता है। अब, मुझे माफ़ करें; आप में से कुछ लोग सोच सकते हैं कि मैं इस बात को बहुत ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर कह रहा हूँ, लेकिन मैं बस इतना चाहता हूँ कि आप देखें कि यहाँ इसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है।

अन्यथा, हमें यह कहकर इससे बचना होगा कि, ठीक है, वे आध्यात्मिक रूप से मर गए। यह सच है, लेकिन शायद इसे पढ़ने के कुछ और तात्कालिक तरीके भी हो सकते हैं।

तीसरी बात जो हमारे लिए कुछ चुनौतियाँ खड़ी कर सकती है, वह यह है कि जब भगवान उनके लिए यह निषेध करते हैं और उनसे कहते हैं, आप जानते हैं, इस पेड़ का फल मत खाओ। जिस दिन तुम इसका फल खाओगे, तुम निश्चित रूप से मर जाओगे। यह मानता है, जब तक कि हम यह न कहें कि इसका कोई मतलब नहीं है, यह मानता है कि वे मृत्यु के बारे में कुछ जानते हैं। आप इस बारे में क्या सोचते हैं? आदम और हव्वा मृत्यु के बारे में कुछ कैसे जान सकते थे? यह मूल रूप से वही है: किसी खतरे के रूप में कोई वैधता होना।

चेल्सी। मुझे खेद है, इसे फिर से कहो। तो, वे अपने आस-पास जानवरों की मौत देख रहे थे।

हाँ। क्या आपको यह पसंद है? मेरा मतलब है, धार्मिक दृष्टिकोण से, मुझे यह जीवाश्म अभिलेखों और अन्य बातों तथा मृत्यु के अस्तित्व के बारे में जो कुछ हम जानते हैं, उसके दृष्टिकोण से पसंद है। लेकिन यह रोमियों 8 में जो हम पढ़ते हैं, उसके साथ कैसे काम करेगा, उदाहरण के लिए, पूरी सृष्टि के दुख के बारे में, संभवतः आदम के पतन के परिणामस्वरूप? क्या यह फिट बैठता है? आगे बढ़ें।

मेरा मतलब है, मैं आपके साथ हूँ, लेकिन हमें यह पता लगाना होगा कि इससे कैसे निपटना है। ज़रूर। ठीक है, यह उचित है।

कोई और? ठीक है, मैं नाम भूल रहा हूँ। सुज़ाना। सुज़ाना।

क्या तुमने मुझे यह पहले ही बता दिया है? ठीक है, ठीक है। चार बार और। आगे बढ़ो।

ठीक है, यह उचित है। कोई और भी है? अच्छा, मैं इसे आप पर आजमाता हूँ। माफ़ करना।

सुज़ाना की टिप्पणी के जवाब में, जिसे मैं स्वीकार करता हूँ, मैं बस इतना ही कहूँगा कि अगर आपके माता-पिता आपको किसी ऐसी चीज़ से धमकाते हैं जिसके बारे में आप कुछ नहीं जानते, अगर आप अवज्ञाकारी हैं, तो आप जानते हैं, मैं ऐसी किसी चीज़ के बारे में सोच भी नहीं सकता जिसके बारे में आप कुछ नहीं जानते। लेकिन किसी भी हालत में, मान लीजिए कि वे कुछ ऐसा शब्द इस्तेमाल करते हैं जो आपने पहले कभी नहीं सुना है, एक तीखा, मैं एक अच्छे शब्द के बारे में भी नहीं सोच सकता जिसे आप नहीं जानते क्योंकि आप सभी कॉलेज के छात्र हैं। लेकिन किसी भी हालत में, यह ऐसी चीज़ है जिसे आप आसानी से परिभाषित नहीं कर सकते।

यह सज़ा कैसे होगी? मुझे लगता है कि यही मेरी असली समस्या होगी। अगर यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में वे नहीं जानते, तो मुझे लगता है कि हमारे सामने यह चुनौती है कि शायद यह कोई ऐसा खतरा न हो जिसका इतना महत्व हो। लेकिन यह हमेशा एक संभावना है।

मैं सोचता हूँ कि मैंने यहाँ ऊपर जो कहा है, उससे पता चलता है कि उन्होंने वास्तव में जानवरों की मृत्यु देखी है। बात यह है, और मैं इस बारे में मौलिक नहीं हूँ। मैं इसे 30 साल पहले के अपने पसंदीदा सेमिनरी प्रोफेसरों में से एक से सीधे उठा रहा हूँ, जो सुझाव देते हैं कि हम एक सादृश्य के साथ सोचें, और यह कुछ इस तरह है।

जिस तरह मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान, जो एक निश्चित समय पर हुआ था, और हम इसके बारे में जानते हैं क्योंकि हमने इसे सुसमाचारों में पढ़ा है, ने हमें मुक्ति प्रदान की है जो उसके बाद रहते हैं और जो इसकी सत्यता की पुष्टि करते हैं, उसी तरह मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान ने उन संतों को मुक्ति प्रदान की जो उस घटना के वास्तव में होने से पहले रहते थे। सही? पुराने नियम के संतों को मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के अलावा किसी और चीज़ से नहीं बचाया जा सकता है, जिसका वे इंतजार कर रहे हैं, और पुराने नियम में सभी बलिदानों ने संकेत दिया है, जैसा कि हम बलिदानों से निपटना शुरू करने पर देखेंगे। यदि यह सच है, तो शायद हम समान रूप से सोच सकते हैं, और पॉल रोमियों अध्याय 5 में ऐसा करता है; शायद समान रूप से, हम एक निश्चित समय पर आदम और हव्वा के पाप के बारे में सोच सकते हैं, जिसका उस बिंदु से परे बाकी मानव जाति पर प्रभाव पड़ा।

यह बिलकुल सच है। लेकिन शायद उसी तरह जैसे मृत्यु, क्षमा करें, पाप, और फिर मृत्यु का परिणाम, समय के बिंदुओं से पहले भी लागू होता था। फिर से, आपको वह सादृश्य पसंद आ सकता है या नहीं भी।

इसे देखने का एक तरीका यह है। इसका मतलब यह है कि ईडन एक अद्भुत, सुंदर, परिपूर्ण छोटा सा एन्क्लेव है। यह एक ऐसी दुनिया में एक नखलिस्तान है जो पहले से ही मौत से जूझ रही है।

आदम और हव्वा अपने छोटे से बगीचे से बाहर देखते हुए यह सब होते हुए देख सकते थे। ध्यान दें कि उन्हें भगा दिया गया है - अच्छा, हाँ, हमारी तस्वीर अब यहाँ नहीं है। उन्हें धरती पर स्वर्ग के एक छोटे से टुकड़े से बाहर निकाल दिया गया है, अगर आप चाहें तो।

तो बस कुछ विचार हैं जिन पर आपको विचार करना चाहिए, अगर आप चाहें, तो जिस तरह से मैं इस कफ ड्रॉप को चबा रहा हूँ, आप जानते हैं, और इसके साथ थोड़ा संघर्ष कर रहा हूँ। आपको वैसे भी इन चीजों के बारे में सोचना होगा क्योंकि हम इस पर विचार कर रहे हैं। चलिए आगे बढ़ते हैं, क्योंकि हमें और भी बहुत कुछ करना है, जाहिर है।

इसे एक नाटक के रूप में सोचें। अक्सर, जब हम धर्मग्रंथ पढ़ते हैं, तो सबसे बुरी बात जो हम कर सकते हैं, वह है इसे हमारे और इसके बीच एक रंगीन कांच की खिड़की देना। यह एक नाटक है, और यह सभी स्पष्ट कारणों से एक त्रासदी है।

यह दुनिया की सबसे बड़ी त्रासदी है। सौभाग्य से, इसका अंत दुखद नहीं होने वाला है, लेकिन हम अभी भी समय और स्थान में इसके प्रकट होने का इंतजार कर रहे हैं। वैसे भी, इस नाटक में कौन-कौन से अभिनेता हैं? आप उन्हें जानते हैं, खासकर अगर आपने व्याख्यान की रूपरेखा डाउनलोड की है।

पहला कौन है? यह सर्प है, है न? अब, यहाँ सबसे दिलचस्प चीजों में से एक यह है कि मैं इसे आपके लिए आसानी से पढ़ सकता हूँ। अध्याय 3, श्लोक 1. सर्प एक कमरे से ज़्यादा था। वाह, क्या हमने यह शब्द पहले देखा है? नहीं, आपने नहीं देखा है, लेकिन मैंने आपसे इसके बारे में बात की है।

सर्प भगवान द्वारा बनाए गए किसी भी जंगली जानवर से ज़्यादा एक कमरा था। क्या यह दिलचस्प नहीं है कि वह नंगा है, और आपके अनुवाद ने इसे कैसे पढ़ा? किसके सामने बाइबल खुली हुई है? ट्रिस्टन। चालाक।

चतुर। क्या किसी के पास इसका कोई अलग अनुवाद है? चालाक। चालाक, अच्छा।

हाँ, ठीक है। इस शब्द के बारे में सबसे दिलचस्प बात यह है। यह नीतिवचन की पुस्तक में बहुत बार आता है, और दिलचस्प बात यह है कि नीतिवचन की पुस्तक में, अधिकांश बार जब यह आता है, तो यह एक सकारात्मक बात है।

आपको और मुझे एक कमरा बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हमें बुद्धिमान होना चाहिए। वास्तव में, यीशु कहेंगे, साँपों की तरह बुद्धिमान और कबूतरों की तरह मासूम बनीं।

हमें कम से कम नीतिवचन की पुस्तक में एक कमरा माना जाता है। इसलिए, इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे पास एक ऐसा साँप है जो पहले से ही कपटी, बुरा और चालाक है। जाहिर है, साँप एक बहुत ही चालाक, चालाक, चतुर, बुद्धिमान प्राणी है।

क्या यह दिलचस्प नहीं है कि नग्नता और इस तरह की बुद्धिमत्ता के लिए एक ही शब्द है जो उन्हें दर्शाता है? अब, आप कई तरह की बातें कह सकते हैं। मैं बस इतना ही कहूंगा ताकि हम आगे बढ़ते रहें। कुछ मायनों में, ठीक है, मुझे कुछ मायनों में कहने की ज़रूरत नहीं है कि आप भी उतना ही जानते हैं जितना मैं जानता हूँ, और इस देश में विज्ञापन उद्योग का पूरा हिस्सा भी यही जानता है कि नग्नता बहुत ही आकर्षक है।

अन्यथा, वे हर जगह इसका दोहन नहीं करते। नग्नता मोहक होती है। और चालाकी भी।

इसका इस्तेमाल या तो अच्छे तरीके से किया जा सकता है या बुरे तरीके से, और सर्प ने इसे चुना है। बेशक, हम इस बात पर गौर करने जा रहे हैं कि सर्प किस तरह का है, लेकिन उसने इसका बहुत बुरा दुरुपयोग करना चुना है। इस संदर्भ में, इसके सभी सबसे बुरे संभावित परिणाम हैं जिनकी हम कभी कल्पना भी नहीं कर सकते। मैं बस इतना चाहता हूँ कि आप वहाँ शब्द और रिश्तों पर ध्यान दें।

पतन के बाद, मैं पतन में इस्तेमाल करने के लिए एक अलग शब्द के बारे में सोचने की कोशिश कर रहा था क्योंकि मैंने पहले भी इस बारे में ऐसी टिप्पणियाँ की थीं, आदम और हव्वा के जानबूझकर पाप में कदम रखने के बाद, उन्हें लगेगा कि वे फिर से नग्न हो गए हैं, और वे इस चतुर, चालाक सर्प से प्रभावित हो गए हैं। ठीक है, किसी भी तरह से, हम कैसे जानते हैं कि यह शैतान है? मैं इस बारे में बात करते समय सर्प कहने में सावधानी बरतने की कोशिश कर रहा हूँ, लेकिन, आप जानते हैं, यह शैतान है। हम यह कैसे जानते हैं? क्या किसी के पास अपनी बाइबल में फुटनोट हैं? वे बहुत मददगार चीजें हैं।

क्या NIV स्टडी बाइबल आपको कुछ बताती है? आपको कैसे पता कि यह शैतान है? इसके अलावा, शायद किसी ने कुछ समय तक इसके बारे में प्रचार किया हो, या यह रविवार के स्कूल का पाठ था? संदर्भों में कोई फुटनोट नहीं है? आज शुक्रवार है? ठीक है। धन्यवाद। आगे बढ़ें।

प्रकाशितवाक्य अध्याय 12, विशेष रूप से श्लोक 9, और फिर अध्याय 20 श्लोक 2 में अजगर, उस प्राचीन सर्प, शैतान का उल्लेख किया गया है। मेरा मतलब है, वे सभी चीजें एक साथ एक में खींची गई हैं। इसलिए, हमारे पास वह पहचान है।

हमारे पास प्रेरित पौलुस भी है, और आप इसे नोट कर सकते हैं और बाद में इसे देख सकते हैं। रोमियों के अध्याय 16, श्लोक 20 में, प्रेरित पौलुस शैतान के बारे में बात करता है, जिसे कुचला जाएगा, जिसका सिर कुचला जाएगा। बेशक, यह एक भ्रम को उठा रहा है जो अध्याय 3 में दिखाई देता है, जिस पर हम थोड़ी देर में वापस आने वाले हैं।

तो, हम बहुत स्पष्ट हैं कि यह सिर्फ परंपरा नहीं है, है न? यह शास्त्रों, नए नियम के शब्दों में आ रहा है, कि यहाँ साँप किसी तरह से शैतान का अवतार है। आदम और हव्वा दोनों वहाँ हैं। हाँ, साँप और हव्वा के बीच बातचीत होती है, और इसमें कोई संदेह नहीं है।

लेकिन श्लोक 6 कहता है, और उसने कुछ फल आदम को दिया, जो उसके साथ था। तो, वह वहाँ है। और इसके कुछ दिलचस्प निहितार्थ हैं क्योंकि वह स्पष्ट रूप से हस्तक्षेप करने और प्रक्रिया को रोकने के लिए कुछ नहीं कर रहा है, है ना? और यह ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है।

तीसरा, बेशक, भगवान स्वयं भगवान हैं, और फिर हम उस पर वापस आएंगे। तो ये हमारे नाटक के अभिनेता हैं। चलिए आगे बढ़ते हैं।

सर्प, और हम उसे अभी शैतान कहेंगे। यह रणनीतिक है। एक पल के लिए भी यह मत सोचिए कि इससे हमें कुछ सीखने को नहीं मिलेगा, क्योंकि जब आप इस प्रक्रिया को देखते हैं और देखते हैं कि सर्प किस तरह से विशेष चीजों को आकर्षित करता है, तो मानवजाति में कुछ भी नहीं बदला है।

साँप की रणनीति में अहंकार को आकर्षित करना शामिल है। साँप की रणनीति में धोखे का पूरा जाल, धोखे का पूरा जाल, धोखे का पूरा जाल शामिल है। ये पुराने नहीं हैं।

वे अभी भी यहाँ हैं। साँप की रणनीति में बहुत ही दिलचस्प छल शामिल है जिसमें वह पाप को बहुत अच्छा दिखाता है। हममें से ज्यादातर लोग पाप के बारे में सोचते हैं, और हम इसे किसी शहरी संदर्भ की गहराई में ले जाकर टाल देते हैं जिससे हम बाहर निकलना चाहते हैं।

वह जो पाप करता है, वह वाकई बहुत अच्छा लगता है, और यह ऐसी चीज़ है जिससे आपको सावधान रहने की ज़रूरत है। यह कपटी है। वैसे भी, यूहन्ना 8:44 क्या कहता है? कोई जानता है? यह उन बाइबल आयतों में से एक है जिसे आप में से कुछ ने बचपन में याद किया होगा।

दरअसल, शायद नहीं। यह कोई सकारात्मक बात नहीं है। यह एक तरह से नकारात्मक बात है।

यीशु अपने कुछ विरोधियों के साथ कुछ बातचीत कर रहे हैं, और वह उनसे कुछ चुनौतीपूर्ण बातें कह रहे हैं, और वे अब्राहम की संतान होने का दावा करते हैं, और वह कहते हैं, नहीं, तुम अब्राहम की संतान नहीं हो। तुम शैतान की संतान हो। और फिर वह शैतान को झूठ का पिता कहता है।

ठीक है, झूठ के पिता, यह एक मजबूत कथन है। खैर, आइए देखें कि यह कैसे काम करता है। पद 1 को उठाते हुए, जहाँ मैंने बीच में ही बात काट दी थी, साँप ने महिला से कहा, और फिर से, NIV अनुवादकों के प्रति पूरे सम्मान के साथ, जिनका मैं बहुत सम्मान करता हूँ क्योंकि वे मुझसे ज्यादा हिब्रू जानते हैं, लेकिन उन्होंने यहाँ कुछ ऐसा किया जो हिब्रू के हिसाब से सही नहीं है।

ठीक है? मुझे नहीं लगता कि सर्प इसे एक प्रश्न के रूप में प्रस्तुत करता है, क्योंकि आम तौर पर, जब सर्प इस कथन का परिचय देता है, तो पहले दो शब्दों का उपयोग जब भी पवित्रशास्त्र में

कहीं और किया जाता है, तो यह निश्चितता की घोषणा है। यह कोई प्रश्न नहीं है। इसलिए, मुझे नहीं लगता, मेरा मतलब है, यह प्रश्न काफी बुरा है।

अगर हम इसे एक प्रश्न के रूप में लिखते हैं, जैसा कि NIV करता है, तो यह कहता है, क्या परमेश्वर ने वास्तव में कहा था कि तुम्हें बगीचे के किसी भी पेड़ से नहीं खाना चाहिए? मेरा मतलब है, यह पहले से ही संदेह पैदा करने वाला है, लेकिन मुझे लगता है कि अगर हम हिब्रू को और अधिक सटीक रूप से पढ़ें, तो यह वैसा ही है जैसा मैंने यहाँ लिखा है। परमेश्वर ने कहा, निश्चित रूप से परमेश्वर ने कहा, तुम बगीचे के किसी भी पेड़ से नहीं खाओगे, जो निश्चित रूप से, परमेश्वर ने जो कहा है उसे स्थापित करता है, सिवाय इसके कि परमेश्वर ने ऐसा नहीं कहा है, क्योंकि परमेश्वर ने क्या कहा? हाँ। तो, उसने यह अद्भुत उपहार लिया है जो परमेश्वर ने उन्हें दिया है, एक को छोड़कर कोई भी पेड़, और उसने इसे लिया और इसे पूरी तरह से उनके पास ले आया।

उन्होंने कहा कि आप किसी भी पेड़ से फल नहीं खा सकते। यह जानबूझकर परमेश्वर के वचन का विरूपण है। और फिर, मुझे लगता है कि वह इसे एक घोषणा के रूप में कह रहे हैं, जरूरी नहीं कि एक प्रश्न के रूप में।

खैर, हम यह भी जानते हैं, जैसा कि हम पढ़ते रहते हैं, कि हव्वा ने परमेश्वर के वचन को फिर से प्रस्तुत करने के मामले में सही तरीके से जवाब नहीं दिया है। श्लोक 2 में, वह कहती है, हम पेड़ों से खा सकते हैं, लेकिन परमेश्वर ने कहा, तुम्हें बगीचे के बीच में लगे पेड़ के फल नहीं खाने चाहिए। तुम्हें उसे छूना नहीं चाहिए, नहीं तो तुम मर जाओगे।

अब, तुम्हें पता है, उसने ऐसा क्यों किया? यह क्या है? तुम्हें इसे छूना नहीं चाहिए, इसमें कुछ और भी है। केलिन? क्या तुम्हारा हाथ ऊपर नहीं है? आगे बढ़ो, आगे बढ़ो। इस मामले में, नहीं। इसे कहीं निर्देशित करने का यह एक अच्छा प्रयास है, लेकिन इसका मतलब बस ऊपर चलना और इसे छूना है।

तो वह ऐसा क्यों कर रही है? आगे बढ़ो, जैक। हाँ, और अगर मैंने इसे गलत तरीके से प्रस्तुत किया है तो मुझे माफ़ करना। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि वह जानबूझकर उन्हें विकृत कर रही है।

मैं कहूँगा कि वह जानबूझकर उनकी रक्षा कर रही है। केटी? और यह वही है जो यहूदी रब्बी सदियों से करते आ रहे हैं। वास्तव में, इसी के आधार पर, क्षमा करें, पूरा रब्बीनी कथन, पूरा रब्बीनी घोषणापत्र है जो कहता है कि आपको टोरा के चारों ओर एक बाड़ लगानी होगी।

क्या आपने वह अभिव्यक्ति पढ़ी है? डॉ. विल्सन किसी समय इसका उल्लेख करेंगे, और आप निश्चित रूप से इसे सुनेंगे। टोरा के चारों ओर बाड़ लगाने का मतलब है कि अगर टोरा कहता है कि ऐसा मत करो, तो ठीक है, आप यहाँ अपनी बाड़ बना लें, और इसलिए, आप यहाँ इस कानून को तोड़ने के किसी भी तरह के करीब भी नहीं आएँगे। हम सभी के पास ऐसा करने का एक तरीका है, है न? और प्रेरणा जरूरी नहीं कि बुरी हो।

वास्तव में, मैं यहाँ बहुत आगे जा रहा हूँ क्योंकि यह पाठ में नहीं है, और आप इसे ले सकते हैं या छोड़ सकते हैं। मुझे संदेह है; आखिरकार, यह आदम ही था जिसे निषेध मिला, है न? उस समय हव्वा का निर्माण नहीं हुआ था। आदम निषेध सुनता है।

मुझे संदेह है कि एक बार ईव का निर्माण हो जाने के बाद, जाहिर है, उन्होंने बातचीत की होगी। कम से कम, मुझे उम्मीद है कि उन्होंने ऐसा किया होगा। वे आपस में लड़े होंगे और वास्तव में तैयार हुए होंगे और कहा होगा, आप जानते हैं, क्योंकि हमें उस पेड़ का फल नहीं खाना चाहिए, चलो हम अपने लिए एक सीमा तय कर लें।

बस एक सीमा तय करें, और आइए हम उस सीमा को न छूने के बारे में तय करें, और वह हमारी सीमा होगी। और इसलिए शायद यह परंपरा का हिस्सा बन जाए क्योंकि एडम ईव को सिखाता है, अगर आप चाहें, और वे इस बगीचे के परिसर में एक साथ काम करते हैं। मुझे यह पक्का नहीं पता।

मैं बस यह सुझाव दे रहा हूँ। माना कि शब्दों को कैसे रिपोर्ट किया जाता है, इत्यादि के संदर्भ में हम बहुत कुछ कह सकते हैं, लेकिन मैं आपको मौखिक परंपरा के बारे में किए गए बहुत से अध्ययनों के आधार पर सुझाव दूंगा कि कई बार बहुत ही जानबूझकर सटीकता होती है। आगे बढ़ो, ट्रेवर।

तो, मूल रूप से, आप जो कह रहे हैं वह यह है कि वह सिर्फ उस आदेश पर ज़ोर दे रही है जो भगवान ने उसे दिया था? हाँ, वह ऐसा कर रही है, और मैं सुरक्षा शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूँ। उन्होंने वास्तव में, मैं सुझाव दूंगा कि साथ मिलकर, उन्होंने वास्तव में इस स्थिति की रक्षा करने का दृढ़ निश्चय किया है ताकि वे इसके करीब भी न आएँ। समस्या यह है कि, बेशक, वह भगवान के शब्दों का प्रतिनिधित्व कर रही है, जो ऐसे तरीके हैं जो भगवान ने नहीं कहे।

हम जो चर्चा कर रहे हैं, हाँ, क्योंकि यह पहले से ही हो चुका है, कुछ मायनों में, वह धोखे के इस पूरे जाल से कलंकित हो चुकी है जो सामने आने वाला है। है न? कम से कम, मुझे लगता है, इसे पढ़ने का एक तरीका यही है। सर्प आगे बढ़ता रहता है।

क्षमा करें। और श्लोक 4 में, यहाँ वह परमेश्वर की कही बात का स्पष्ट रूप से खंडन करने जा रहा है। तुम मरने वाले नहीं हो।

बिलकुल। आप मरने वाले नहीं हैं। भगवान जानता है कि जब आप इसे खाएंगे, तो आपकी आंखें खुल जाएंगी और आप भगवान या देवताओं की तरह हो जाएंगे।

यह शब्द एलोहिम है, और इसका अर्थ ईश्वर हो सकता है। अंत में मैं हूँ, इसका भी बहुवचन अर्थ है, और पवित्रशास्त्र में ऐसे स्थान हैं जहाँ इसी शब्द का अर्थ अनेक ईश्वर है। उदाहरण के लिए, जब यह कहता है, अन्य देवताओं की पूजा मत करो, तो यह एलोहिम है अहीरीम।

इसलिए, आपको वहाँ अपने संदर्भ पर ध्यान देना होगा। किसी भी दर पर, जानना, या शायद जानना, अच्छाई और बुराई को परिभाषित करना, यही उसका विरोधाभास है। वह भी, जैसा कि

मैं आपको सुझाव दूंगा, उस कथन में, आप भगवान या देवताओं की तरह होने जा रहे हैं, गर्व की अपील कर रहा है।

यह वास्तव में गर्व को आकर्षित करता है। अब, यहाँ जो वास्तव में दिलचस्प है वह यह है कि ईडन गार्डन के संदर्भ में रहने वाले मनुष्य, और मैं काल्पनिक हो रहा हूँ क्योंकि हम नहीं जानते कि यह कैसे सामने आया होगा, लेकिन पतन के अलावा भगवान के साथ बातचीत जारी रखने के अवसर में, वे अंततः इन चीजों को जान गए होंगे, लेकिन वे सही तरीके से आए होंगे, न कि शॉर्टकट तरीके से, जो भगवान के वचन की अवज्ञा करना है, और यही सुराग है। किसी भी दर पर, मैंने यह पहले कहा था, लेकिन मैं इसे इस बिंदु पर भी फेंक रहा हूँ।

साँप बहुत चालाक है, बहुत चालाक है, और मुझे नहीं लगता कि वह हम पर बार-बार एक ही चीज़ का इस्तेमाल नहीं करता, जिससे वह खास चीज़ इतनी आकर्षक और इतनी सही लगती है और मैं वास्तव में उसके लिए प्रार्थना करने जा रहा हूँ क्योंकि मैं उसे बहुत चाहता हूँ। आप जानते हैं, चीज़ें इसी तरह काम करती हैं। ध्यान दें कि हव्वा क्या कहती है।

वह देखती है कि पेड़ का फल खाने के लिए अच्छा था, आँखों को भाता था, बुद्धि या ज्ञान प्राप्ति के लिए वांछनीय था। यह बुद्धि के लिए एक अलग शब्द है, जो हिब्रू बाइबिल में इस्तेमाल किए जाने वाले बुद्धि के लिए बगीचे की विविधता वाले शब्द से अलग है। यह एक अलग शब्द है।

ज्ञानोदय इसका अनुवाद करने का एक बेहतर तरीका हो सकता है। इसलिए, वह इस अवसर को देखती है, ठीक है, आप जानते हैं, आगे बढ़ें और उन तरीकों से आगे बढ़ें जो नैतिक रूप से सही लग सकते हैं। अच्छा।

इसलिए, वह फल पकड़ती है और उसे खा जाती है। और, ज़ाहिर है, हमें जो कुछ भी होता है, उससे निपटना होगा। हमें इसे एक त्रासदी के रूप में पढ़ने की ज़रूरत है क्योंकि सब कुछ, वे कौन थे और कैसे रहते थे, इसका हर पहलू पूरी तरह से टूट जाता है।

हर पहलू। वे सभी दर्द और त्रासदियाँ जिनसे आप और मैं रोज़ जूझते हैं, वे सब यहाँ वापस आ जाती हैं।

सबसे पहले, उन्हें लगता है कि वे नग्न हैं। इससे पहले उन्हें कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब उन्हें परेशानी होती है। फिर से, यह एक छोटी सी बात है, और आपको इसे लिखने की ज़रूरत नहीं है। मैं बस इसे आपके लिए यहाँ रख रहा हूँ।

जैसा कि आप जानते हैं, यहूदी रब्बी हिब्रू बाइबिल के पाठों को बहुत ध्यान से पढ़ते हैं। हमसे कहीं ज़्यादा ध्यान से। और यहाँ उन्होंने जो एक बात नोटिस की वह यह है कि हिब्रू में अरुमीम की स्पेलिंग अध्याय 2 के अंत में लिखी गई स्पेलिंग से थोड़ी अलग है। और इसलिए वे नग्न हैं, लेकिन यह एक अलग तरह की नग्नता है।

यह अब एक ऐसी नग्नता है जो असुरक्षा से भरी हुई है, जिसे न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि अन्य तरीकों से भी ढकने की आवश्यकता महसूस होती है। और इसलिए, सभी प्रकार की

व्यक्तिगत असुरक्षाएं इसमें अंतर्निहित हो जाती हैं। बेशक, जैसा कि हम इस पाठ को पढ़कर जानते हैं, वे बहुत अप्रभावी आवरणों का उपयोग करने की कोशिश करना शुरू कर देते हैं।

अंजीर के पत्ते। आप में से कितने लोगों ने हाल ही में अंजीर के पत्ते देखे हैं? वे यहाँ नहीं उगते, लेकिन आप में से कुछ कैलिफ़ोर्निया में, दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया से कोई? अंजीर का पत्ता कितना बड़ा होता है? और एक अंजीर के पत्ते के साथ एक और अंजीर के पत्ते के साथ एक और अंजीर के पत्ते को बोना कितना प्रभावी होगा? यह वास्तव में एक बहुत अच्छा आवरण नहीं है, है न? यहाँ तक कि जब वे खुद को ढकने की कोशिश करते हैं, तो यह काफी अप्रभावी होता है। बगीचे की किस्म के अंजीर के पत्ते, कम से कम इज़राइल में, मुझे फिर से अपनी बाइबिल रखनी पड़ी, लगभग ऐसे ही होते हैं।

यह बहुत कुछ नहीं ढकता है, और इसमें, आप जानते हैं, लूप भी हैं, छेद भी हैं। अगर आप इसे ढकने की कोशिश कर रहे हैं तो यह समस्या पैदा करता है। ठीक है, नग्नता की धारणा।

नहीं, चलो इसे छोड़ देते हैं। यह डर का पहला संकेत है। अध्याय 3, श्लोक 8। आदमी और उसकी पत्नी ने भगवान भगवान की आवाज़ सुनी जब वह दिन की ठंडी में बगीचे में टहल रहे थे।

फिर से, उनका ईश्वर के साथ घनिष्ठ संबंध था। यह स्पष्ट रूप से किसी तरह से मानवरूपवाद है, या ईश्वर उनके क्षेत्र में खुद को प्रकट करना चुन रहा है। इसे देखने का यह एक और तरीका है।

लेकिन वे प्रभु परमेश्वर से छिप गए। और फिर, बेशक, प्रभु मनुष्य को पुकारते हैं, तुम कहाँ हो? और आदम जवाब देता है, मैंने तुम्हें सुना। मैं डर गया था।

मैं नंगा था। मैं छिप गया। तो डर इसमें प्रवेश करता है, और फिर स्पष्ट रूप से, भगवान और मानव जाति के बीच वह विशाल खाई आने वाली है, वह विशाल खाई जो डर से पैदा होती है।

अब, भय एक प्रेरक बन जाएगा। दुखद रूप से, भय तब से मानव जाति के लिए एक प्रेरक बन जाएगा। और यह एक प्रेरक है जो वाचा में भी अंतर्निहित है क्योंकि पतित मानव जाति न केवल प्रेम से प्रेरित होती है, जो निश्चित रूप से सबसे अच्छा है, बल्कि भय से भी प्रेरित होती है।

और शास्त्रों में भी इस बात को स्वीकार किया गया है। खैर, हमने कुछ घोषणाएँ की हैं। पहली घोषणा स्पष्ट रूप से एक अभिशाप है।

श्लोक 14 और उसके बाद। आप जानते हैं, यह साँप पहले जो भी था, वह पैरों पर सीधा खड़ा हुआ प्रतीत होता था, वगैरह। लेकिन अब हम इसे अपने पेट के बल रेंगते हुए, धूल खाते हुए देखते हैं।

यह एक शाब्दिक, भौतिक चीज़ है। लेकिन साँप के साथ उस शाब्दिकता के भीतर भी, इसमें एक दिलचस्प गुण निहित है। क्योंकि साँप क्या करते हैं? वे मुड़ते हैं।

मेरा मतलब है, वे सीधी रेखा में नहीं चलते। वे अंततः सीधी रेखा में आ जाते हैं, लेकिन उनके शरीर हमेशा मुड़ते रहते हैं। यह धोखे और उस तरह की बुराई के लिए एक आकर्षक रूपक बन जाता है।

तो, यहाँ तक कि साँप के साथ जो कुछ भी होता है, उसमें भी हम कुछ रोचक रूपकात्मक प्रकृति देखते हैं। आगे बढ़ते हुए, पद 15 वह जगह है जहाँ हम आशावान हैं। मैं तेरे और स्त्री के बीच, उसके वंश के बीच बैर उत्पन्न करूँगा।

मुझे खेद है, तुम्हारी संतान और उसकी संतान। वह तुम्हारे सिर पर वार करेगा, और तुम उसकी एड़ी पर वार करोगे। यहाँ वही हिब्रू शब्द है।

एनआईवी ने फिर से हमारे साथ थोड़ा अन्याय किया है। स्त्री का वंश, जाहिर है कि यह मसीह की ओर आगे देख रहा है। और यही वह विचार है जिसे पॉल ने उद्धृत किया है, या जिसका संकेत दिया है, क्षमा करें, रोमियों 16, 20 में, जहाँ वह कहता है, कुचलना, यीशु ने सर्प के सिर को कुचल दिया है।

यहाँ यही हो रहा है। वह आपके सिर पर, भगवान, साँप को मारेगा, लेकिन आप उसकी एड़ी पर वार करेंगे। और यह, जाहिर है, उन सभी चीज़ों, उत्पीड़न, हमलों, पीड़ाओं का संकेत है जो साँप मानव जीवन में लाता है।

यह सब वहाँ है। हालाँकि, हमारे आशा के तत्व के संदर्भ में ध्यान रखने वाली बात यह है कि धर्मशास्त्रियों के अनुसार, और शायद आप में से अधिकांश ने इसे पहले ही सुना होगा। वास्तव में, मुझे संदेह है कि आपने इसे नए नियम में सुना होगा।

यह सुसमाचार का पहला कथन है, जिसे अक्सर प्रोटोइवेंजेलियन कहा जाता है, सुसमाचार का पहला कथन। इसके बाद के कथन को अक्सर महिला पर अभिशाप कहा जाता है। यह वास्तव में उचित नहीं है।

यह कोई अभिशाप नहीं है। हालाँकि, यह एक घोषणा है। और हमें इस पर थोड़ा गौर करने की ज़रूरत है।

तो, पहले मैं इसे पढ़ लेता हूँ। यहोवा परमेश्वर ने स्त्री से कहा, मैं तेरे बच्चे पैदा करने के दर्द को बहुत बढ़ा दूँगा। तू दर्द के साथ बच्चों को जन्म देगी।

आपकी इच्छा आपके पति के लिए होगी, लेकिन, मुझे पता है कि आपके पाठ में और लिखा है। उस छोटे से पत्र का आसानी से अनुवाद किया जा सकता है, लेकिन वह आप पर शासन करेगा। ठीक है।

हम इसके साथ क्या करने जा रहे हैं? मुझे थोड़ी देर के लिए अपनी खांसी की दवा पर लार टपकाने दो, मैं कुछ जवाब मांगता हूँ। हम इसके साथ क्या करने जा रहे हैं? ट्रेवर। कृपया।

ठीक है, सवाल यह है कि जब यह आयत पुरुष और महिला के बीच शत्रुता की बात करती है तो इसका क्या मतलब है? क्या आप शाब्दिक क्षेत्र में बात कर रहे हैं, या आप एक तरफ शैतान की ताकतों और दूसरी तरफ इंसानों की बात कर रहे हैं? ओह, तो मैंने इसे छोड़ दिया, है न? मुझे माफ़ करें, मुझे लगता है कि मैंने सिर्फ़ एक अनुमान लगाया है जो बहुत अच्छा नहीं है। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि इस बिंदु से, आध्यात्मिक क्षेत्र में, वह सब कुछ जो गर्व और धोखे आदि की उपज है, जिसे सर्प में दर्शाया और मूर्त किया गया है, वह उन लोगों के साथ युद्ध में होगा जिन्हें परमेश्वर अपने बच्चों के रूप में देखना चाहता है, जो उसकी छवि के वाहक हैं। तो, उस अर्थ में शत्रुता, बहुत स्पष्ट रूप से।

आप जानते हैं, शाब्दिक दृष्टिकोण से, हममें से ज्यादातर लोगों को साँप पसंद नहीं हैं। मुझे यकीन नहीं है कि इस श्लोक का वास्तव में यही मतलब है, लेकिन यह काफ़ी दिलचस्प है। मुझे याद है कि बचपन में मैं उनसे बहुत डरता था, जब तक कि मेरी माँ ने मुझे उनके साथ खेलना नहीं सिखाया।

कार्टर स्नेक, रैटलस्नेक नहीं। आप जानते हैं, इसलिए उसने मुझे उस डर से उबरने में मदद की जो मुझे लगता है कि बहुत से लोगों में अंतर्निहित है, हर किसी में नहीं, लेकिन बहुत से लोगों में। मुझे गार्टर स्नेक से कोई समस्या नहीं है।

मैं अब उनका आनंद लेता हूँ, लेकिन मैं अभी भी थोड़ा सा... अगर मैं पैदल यात्रा कर रहा हूँ तो जब मुझे अपने पीछे कुछ सरसराहट सुनाई देगी तो मैं पीछे से ले लूँगा। हाँ, सारा? आदम और हव्वा को यह जानकारी है... हाँ, सवाल: भगवान की रचना, यानी आदम और हव्वा के साथ खिलवाड़ करने के पीछे शैतान की क्या प्रेरणा हो सकती है? इसके जवाब में मैं बहुत सी बातें कह सकता हूँ। मुझे बस यह कोशिश करने दो, और फिर तुम इसे समझ सकोगे।

जब हम यशायाह 14 और यहजेकेल 28 पढ़ते हैं, जिसे हम बाद में पढ़ेंगे, भले ही वे दो अंश मानव शासकों, नबूकदनेस्सर, राजकुमार अटायर के बारे में बात कर रहे हों, वहाँ उनके पीछे मौजूद दुष्ट शक्ति के शक्तिशाली संकेत हैं और वह दुष्ट शक्ति वह है जो ऊपरी हाथ रखना चाहती है, यहाँ तक कि भगवान के साथ भी। और इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ़, आप जानते हैं, शैतान भगवान की रचना के साथ खिलवाड़ कर रहा है ताकि सिर्फ़ ऐसा करने के लिए उसे खराब कर सके। यह मूल रूप से भगवान से बेहतर, भगवान से ज्यादा शक्तिशाली होने और भगवान से बेहतर बनने का उसका प्रयास है।

मुझे लगता है कि यह यहाँ जो हो रहा है उसका एक हिस्सा है, चेलसी। तो, जानवरों के बात करने के बारे में यह क्या है? हाँ, अच्छा सवाल है। यह एकमात्र ऐसा मामला नहीं है जब हमारे पास जानवरों के बात करने के उदाहरण हैं।

प्रथम नियम में दूसरा क्लासिक क्या है? टिम? हाँ, बालाम बोलने वाला गधा है। और ध्यान दें कि बालाम किसी तरह का भविष्यवक्ता है। हम बाद में इस बारे में बात करेंगे कि वह किस तरह का भविष्यवक्ता है।

और ऐसा नहीं लगता कि उसे इस बात पर कोई घबराहट हो रही है कि उसका गधा बोलने लगा है। यह सिर्फ़ इतना ही नहीं है, मेरा मतलब है, शायद यहाँ कुछ ऐसा हो रहा है जो हमारे पश्चिमी दृष्टिकोण से उतना अजीब नहीं है जितना हम सोचते हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि आज आप दुनिया में कहीं भी जाएँ और आपको बोलने वाले जानवर मिल जाएँगे, लेकिन पतझड़ से पहले, यह इतना असामान्य नहीं था।

और सीएस लुईस हमेशा ऐसा करते हैं, है न? ऐसा नहीं है कि मैं सीएस लुईस से प्रेरित हूँ, लेकिन कुछ मायनों में, सीएस लुईस की कल्पना शक्ति बहुत अच्छी है। और मुझे संदेह है कि नार्निया में जितने भी जीव बात कर सकते हैं, वे यहाँ जो कुछ हो रहा है, उसके बारे में उनके सावधानीपूर्वक पढ़ने से ही आ रहे हैं। क्या यह मैट है? नहीं।

एंड्रयू, धन्यवाद। क्या ईडन गार्डन में ईव के बच्चे थे? जाहिर है नहीं, हालाँकि हम नहीं जानते। इसलिए मैं जाहिर तौर पर कहता हूँ।

हाँ, सिवाय इसके कि, आप सही हैं, आप सही हैं, सिवाय इसके कि मैं सुझाव दूंगा कि उसने कम से कम अपने आस-पास की दुनिया में, अपने आस-पास के जानवरों की दुनिया में जन्म प्रक्रिया तो देखी ही होगी। अगर उसने मृत्यु देखी है, तो उसने निश्चित रूप से जन्म भी देखा होगा। और उसने देखा है कि इसके साथ कुछ कठोरता भी जुड़ी हुई है।

यही अनुमान है। हाँ, यह सबसे अच्छा है जो मैं आपके लिए कर सकता हूँ। अगर ईडन गार्डन में उसके बच्चे होते, तो मुझे लगता है कि हम इसके बारे में जान सकते थे।

हम निश्चित रूप से यह नहीं जानते, लेकिन मुझे लगता है कि हम इसके बारे में जान सकते हैं। क्रिस्टन। अगर सर्प की आकृति, जैसे कोई व्यक्ति घूम रहा हो, तो शायद वह अधिक आकर्षक हो सकता था और बिना अजीब लगे उससे बात करना अधिक आसान हो सकता था।

हाँ, सवाल: अगर आप पीछे से नहीं सुन सकते थे, तो क्या इस श्राप से पहले सर्प का वास्तव में कोई और अधिक आकर्षक स्वरूप रहा होगा? मुझे लगता है कि संभवतः ऐसा ही था। मुझे लगता है कि संभवतः ऐसा ही था। वैसे, आप जानते हैं, जब हम अय्यूब को पढ़ते हैं, तो लेविथान की हमारी छोटी सी आकृति का सामना करने पर हम इस सर्प के विचार के साथ बहुत कुछ करने जा रहे हैं।

शायद इससे इसमें कुछ और बातें जुड़ जाएँगी। महिला को दी गई इस घोषणा के बारे में कुछ? शायद एन्ड्रू ने जो कहा, उसे आगे बढ़ाते हुए? स्पष्ट रूप से, पहली घोषणा, जो एक सज़ा है, यह है कि उसे प्रसव के दौरान बहुत ज़्यादा दर्द सहना होगा। अब, हम इस बारे में बहुत कुछ कह सकते हैं, लेकिन यह बिल्कुल स्पष्ट है कि चिकित्सा क्षेत्र ने सदियों से, न कि केवल हमारे देश में पिछले सौ सालों में, प्रसव के दर्द को कम करने के लिए बहुत मेहनत की है क्योंकि यह बहुत भयानक है, है न? और वैसे, शिशु मृत्यु दर भी उस तस्वीर का एक बड़ा हिस्सा है।

तो क्या यह दिलचस्प नहीं है कि हम बहुत सावधानी से ऐसा करते हैं? फिर भी, इसका दूसरा भाग, कम से कम परमेश्वर के लोगों के रूप में हममें से कुछ भाग, इसे कम करने के लिए बहुत

उत्सुक नहीं हैं। मुझे वह करने दो जो मैं... लड़का, यहाँ हम फिर से शुरू करते हैं। मुझे वह करने दो जो मुझे लगता है कि श्लोक 16 के दूसरे भाग का बेहतर अनुवाद है।

इसमें लिखा है कि आपकी इच्छा आपके पति के लिए होगी। हिब्रू बाइबिल में इच्छा शब्द का इस्तेमाल सिर्फ़ तीन बार किया गया है, और इसका मतलब यह नहीं है कि, ओह, मैं तुमसे प्यार करता हूँ, तुम्हें पता है, मैं तुम्हें गले लगाने के लिए इंतज़ार नहीं कर सकता। यह उस तरह की इच्छा नहीं है।

वास्तव में, यही शब्द अगले अध्याय में भी इस्तेमाल किया गया है, जहाँ जब परमेश्वर कैन को डाँट रहा है, तो वह पद 7 के मध्य में कहता है, पाप तुम्हारे दरवाज़े पर दुबका हुआ है। वह तुम्हें अपने वश में करना चाहता है। तुम्हें इस पर काबू पाना होगा।

क्या आप इसे देखते हैं? वास्तव में, वही संरचना वहाँ भी है। पाप आपके दरवाज़े पर दुबका हुआ है। वह आपको अपने वश में करना चाहता है, लेकिन आपको उस पर काबू पाना होगा।

हव्वा, अध्याय 3 पर वापस जाओ। तुम्हारी इच्छा तुम्हारे पति के लिए होगी, लेकिन वह तुम पर शासन करेगा। मैं तुम्हें सुझाव दूंगा कि यहाँ हव्वा से जो कहा जा रहा है वह यह है कि वह स्थान जहाँ उनके बीच सामंजस्य था, आपस में सबसे अंतरंग सामंजस्य, स्वयं आदम और हव्वा के बीच, अब भयानक, भयंकर घर्षण का अनुभव करने जा रहा है। इच्छा एक पकड़ लेने वाली इच्छा है।

पाप सिर्फ़ हमें अपने वश में करना नहीं चाहता। पाप हमें जकड़ लेता है। अगर आपने अभी तक यह नहीं समझा है, तो शायद आप समझ जाएँगे।

पाप हमें जकड़ लेता है। कैन से कहा गया कि तुम्हें इस पर काबू पाना होगा। और इसलिए, मैं सुझाव दूंगा कि हव्वा से जो कहा जा रहा है, वह यह है कि, तुम जानते हो, तुम्हारे रिश्ते में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ मची हुई है।

आप यही चाहेंगी। यह एक शक्तिशाली, मजबूत इच्छा होगी, चाहे जो भी हो। आपका पति आप पर हावी होने वाला है, और यह हमेशा ऐसा ही होगा।

संभवतः, प्रेरित पौलुस के मन में यही बात थी। ध्यान रखें कि वह एक रब्बी है। वह एक प्रशिक्षित रब्बी है, जिसका अर्थ है कि वह अपने प्रथम नियम को बहुत अच्छी तरह से जानता है और हमेशा इसका उल्लेख करता है।

संभवतः उनके मन में यही बात है जब इफिसियों 5 में वे अपने श्रोताओं से कहते हैं, एक दूसरे के अधीन रहो। एक दूसरे के अधीन रहो। और फिर वे पतियों से पत्नियों से प्रेम करने की बात करते हैं, जैसा कि मसीह ने कलीसिया से प्रेम किया, और पत्नियाँ अपने-अपने पति के अधीन रहो।

ये दोनों ही बातें सीधे तौर पर पतित मानव स्वभाव के विपरीत हैं। और हम देखते हैं कि पतित मानव स्वभाव को उत्पत्ति 3:16 में एक छोटे से कथन में रखा गया है। सभी लोगों में से, चर्च में हम

सभी को इसके खिलाफ काम करना चाहिए ताकि फिर से सामंजस्य स्थापित हो, मसीह में एक पुनः स्थापित सामंजस्य हो। इसके बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है।

यही महिला के लिए घोषणा है। चलिए अब हम उस श्राप की ओर चलते हैं जो आदम पर नहीं बल्कि धरती पर सुनाया गया था। दर्द और मेहनत।

यह काँटे और ऊँटकटारे पैदा करेगा। श्लोक 18, अपने माथे के पसीने से, तुम अपना भोजन तब तक खाओगे जब तक तुम मिट्टी में नहीं मिल जाते। उस भजन को याद करो जिसे हमने आज सुबह पढ़ा।

भजन 90. धूल में लौट जाना। यहाँ लिखा है, तू मिट्टी ही है और मिट्टी में ही मिल जाएगा।

और इसलिए, ज़मीन पर दिया गया अभिशाप वास्तव में वह ज़मीन होगी जो न केवल आदम के लिए काम को कठिन बनाएगी, बल्कि शायद उसके जीवन को छोटा कर देगी, बल्कि वह ज़मीन भी होगी जो उसे फिर से मिट्टी में मिल जाने पर गले लगाएगी। तो, इस संदर्भ में कुछ गंभीर बातें हो रही हैं। कम से कम गंभीर तो यही कहा जा सकता है।

लेकिन चलिए आगे बढ़ते हैं और ईश्वर के कुछ संकेतों को देखते हैं। क्या आप इसके बारे में और कोई सवाल पूछना चाहते हैं? मुझे पता है कि मैंने इसे शायद जितना जल्दी करना चाहिए था, उससे कहीं ज़्यादा तेज़ी से किया है। सुज़ाना, है न? हाँ, अच्छा सवाल या अच्छा कथन, जिसका मैं वैसे भी जवाब देने जा रहा हूँ।

यह है कि श्लोक के दूसरे भाग में, आपकी इच्छा आपके पति के लिए होगी, और वह आप पर शासन करने जा रहा है, जो वास्तव में एक आदर्श है। मैं इसका दो तरीकों से जवाब दूंगा। मैं मानता हूँ कि यह अक्सर कहा जाता है।

लेकिन दो बातें हो रही हैं। सबसे पहले, श्लोक का पहला भाग कुछ ऐसा प्रस्तुत करता है जो वास्तव में, जैसा कि मैंने पहले कहा, कुछ ऐसा है जिसके खिलाफ हमें काम करने की आवश्यकता है। उस संदर्भ में, मुझे श्लोक के दूसरे भाग को इस बात का सकारात्मक कथन मानने में परेशानी हो रही है कि चीजें कैसी होनी चाहिए।

इसलिए, मैं बस इतना ही कहूंगा कि यह पूरी बात पतन के परिणामस्वरूप क्या होता है, इसका वर्णन करती है, निर्देशात्मक नहीं। और मुझे लगता है कि तब हम इसे संदर्भ में थोड़ा बेहतर ढंग से पढ़ सकते हैं, न केवल उस एक श्लोक के संदर्भ में, बल्कि अध्याय चार के साथ संयोजन में उस दूसरे भाग को भी पढ़ना, जिसमें कुछ समान समानांतर प्रकार के कथन हैं, और वे अच्छे नहीं हैं। लेकिन धन्यवाद।

मेरा मतलब यह था कि बहुत से लोग इसे इस बात के नुस्खे के रूप में पढ़ते हैं कि हमें कैसा होना चाहिए। मैं वास्तव में इससे सहमत नहीं हूँ। बेक्का।

हाँ, अच्छा सवाल है। चूँकि आदम को बगीचे की देखभाल करने और उसकी देखभाल करने का आदेश दिया गया था, इसलिए यहाँ काम की प्रकृति कैसे बदल जाती है? मैं इसका उत्तर सिर्फ़ दो तरीकों से देना चाहूँगा। शायद यह पूरा न हो, लेकिन हम कोशिश कर सकते हैं। हाँ, अध्याय एक और दो में आदम को जो देखभाल और देखभाल का काम दिया गया है, क्योंकि अध्याय एक में सृष्टि पर शासन करने की बात की गई है, यह एक ऐसी सृष्टि की कल्पना करता है जो, अगर मैं इसे इस तरह से कहूँ, उसके साथ काम करने जा रही है।

और यह ऐसा कुछ नहीं है जो हमेशा विपरीत लगता है। आप में से कितने लोग बाग लगाते हैं? क्या अब कोई बाग लगाता है? आप जानते हैं, खरपतवार हमेशा किसी भी चीज़ से ज़्यादा तेज़ी से बढ़ते हैं। पता नहीं ऐसा क्यों है।

वे हमेशा ऐसा करते हैं। तो, आप जानते हैं, सिर्फ़ इस तथ्य से कि अब हमारे पास एक गिरा हुआ ब्रह्मांड है, इसका मतलब है कि जो चीज़ें अच्छे के लिए हानिकारक हैं, वे बहुतायत में होंगी। और इसलिए, यह कठिन काम होने जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि इस घोषणा में जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, वे हैं परिश्रम, पीड़ा और व्यथा। यही शब्द सभोपदेशक के पहले अध्याय में फिर से दिखाई देते हैं, जब सभोपदेशक का लेखक पतित दुनिया में जीने की कुछ हताशा के बारे में बात कर रहा है। हम उस पर वापस आएंगे।

लेकिन हाँ, यह एक अच्छा सवाल है। खैर, इस पूरे संदर्भ में परमेश्वर की दया के बारे में थोड़ा सा सोचना कैसा रहेगा? हम पहले ही इस तथ्य के बारे में बात कर चुके हैं कि परमेश्वर छुटकारे का वादा करता है, फिर से प्रोटो-इवेंजेलियन, इस वादे में कि हव्वा का वंश सर्प के सिर को कुचल देगा या उस पर वार करेगा। वह आवरण भी प्रदान करता है।

जैसा कि मैंने कहा, अंजीर के पत्ते उतने उपयोगी नहीं हैं और वे निश्चित रूप से लंबे समय तक नहीं टिकते। और इसलिए, वह जानवरों की खाल से आवरण प्रदान करता है। और बस कुछ चीज़ें हैं, और मैं उन्हें यहाँ आपके लिए नोट करता हूँ, जिनके बारे में सोचना महत्वपूर्ण है।

प्राचीन निकट पूर्व में, कपड़े सिर्फ़ कपड़े नहीं थे। वे विरासत का प्रतीक थे। वैसे, हम इसे फिर से देखेंगे।

यह एक ऐसा विषय है जो हमारे पास फिर से आने वाला है, इसलिए इसे इसके बाद मत भूलना। यह इस बारे में कुछ महत्वपूर्ण बात का प्रतीक है कि यह मेरा उत्तराधिकारी है। यह बहुत महत्वपूर्ण है।

आदम और हव्वा ने परमेश्वर की अवज्ञा की है। वह उन्हें छोड़ सकता था। यह तथ्य कि उसने उन्हें ढकने के लिए कपड़े दिए, यह बताता है कि वे मेरे बच्चे ही रहेंगे।

गिर गए, हाँ, लेकिन वे मेरे बच्चे बने रहेंगे। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण और उत्साहवर्धक कथन है। उन्हें ढकने का मतलब है कि हम अभी भी उनके बच्चे हैं।

हम आदम के वंशज हैं। इसके अलावा, यह भी संभावना है कि यह पशु बलि की प्रथा है। यह निश्चित रूप से नहीं पता।

पंक्तियों के बीच पढ़ना। लेकिन जब तक हम अध्याय 4 तक पहुँचते हैं, तब तक हम बलिदान प्रणाली को क्रियाशील पाते हैं क्योंकि हाबिल और कैन दो अलग-अलग प्रकार के बलिदान ला रहे हैं। शारीरिक मृत्यु, जो परमेश्वर की दया का भी संकेत है।

हम ऐसा नहीं सोचते क्योंकि मृत्यु दुखद है, लेकिन पतित, घृणित दुष्ट प्राणियों के रूप में अनंत जीवन और भी अधिक भयावह है। शारीरिक मृत्यु एक दया है। खैर, हमारे पास कम से कम कैन और हाबिल के बारे में जल्दी से देखने का समय है क्योंकि मुझे लगता है कि आप इस कथा को काफी अच्छी तरह से जानते हैं।

जैसा कि आप अध्याय 4 को पढ़कर जानते हैं, कैन ज़मीन से कुछ फल लाता है और हाबिल कुछ बेहतर लाता है। हाबिल ने भेड़-बकरियों को पाल रखा था। कैन ने ज़मीन पर खेती की।

समय बीतने के साथ, कैन ने मिट्टी के कुछ फल लाए। हाबिल ने अपने झुंड के कुछ पहलौठों का मोटा हिस्सा लाया। मुझे उम्मीद है कि आप उनके द्वारा लाए गए चढ़ावे की गुणवत्ता में अंतर देख रहे होंगे।

और फिर, यह माना जाता है कि वे जानते थे। कैन कुछ ला रहा है। वह तो पहला फल भी नहीं ला रहा है।

यह रक्त बलिदान और अनाज बलिदान के बीच का अंतर है क्योंकि बाद में अनाज बलिदान स्वीकार्य साबित होने जा रहा है। वह बस कुछ ला रहा है। कैन जानता है कि चर्बी कैसे लानी है।

हमारी संस्कृति में कोलेस्ट्रॉल एक बड़ी समस्या है, और आपका डॉक्टर आपको बताता रहता है कि वसा आदि न खाएं। हम इस पर बहुत उत्सुक नहीं हैं। यह वसा है जो मांस का हिस्सा है जो वास्तव में इसे वह अद्भुत सुगंध देता है, स्वाद देता है, कोमलता देता है।

आप उन चीज़ों को खरीद सकते हैं और आपका कोलेस्ट्रॉल का स्तर बहुत ज़्यादा नहीं बढ़ता। परमेश्वर, वसा वाले हिस्से की मांग करके, वास्तव में सर्वश्रेष्ठ की मांग कर रहा है। और इसलिए, जब कैन वसा वाले हिस्से लाता है, माफ़ कीजिए, हाबिल वसा वाले हिस्से लाता है, तो वह सर्वश्रेष्ठ ला रहा है।

अब, जैसा कि हम जानते हैं, इसका मतलब है कि प्रभु हाबिल पर कृपादृष्टि रखेंगे। कैन कृपादृष्टि नहीं करता। कैन क्रोधित हो जाता है और अपने क्रोध के परिणामस्वरूप, वह पहली हत्या कर देता है।

जब परमेश्वर उससे भिड़ता है, तो हम फिर से परमेश्वर की दया देखते हैं। कैन को भटकने के लिए भेज दिया जाता है। अगर हम उस तरह के न्याय के बारे में बात करना चाहते हैं, तो एक निश्चित सजा कैन की मौत होगी।

जैसा कि हम देख सकते हैं, ऐसा नहीं है। मैं यहाँ कुछ और बातें कहूँगा, और फिर हम रुक जाएँगे। नए नियम में इस बारे में कुछ बातें कही गई हैं।

न केवल 1 यूहन्ना 3:12 में, बल्कि अन्य स्थानों पर भी। उदाहरण के लिए, इब्रानियों 11 में हाबिल के विश्वास के बारे में बात की गई है। लेकिन 1 यूहन्ना में नए नियम की टिप्पणी विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

कैन की तरह मत बनो, जो दुष्ट का साथी था। याद है? पाप तुम्हें अपने वश में करना चाहता है, तुम्हें जकड़ना चाहता है। इसलिए, वह अपने भाई की हत्या कर देता है।

उसने उसकी हत्या क्यों की? 1 जॉन कहता है कि उसके अपने कार्य बुरे थे और उसके भाई धर्मी थे। क्या आप जानते हैं कि यह कैसे काम करता है? कभी-कभी, जब हम गलत काम कर रहे होते हैं, तो जो लोग सही काम कर रहे होते हैं, वे हमें वास्तव में गुस्सा दिलाते हैं। मेरा मतलब है, वे शायद उन्हें मारने के लिए बाहर नहीं हैं, लेकिन शायद हम परिसर में भगवान के दस्ते के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करते हैं या ऐसा कुछ करते हैं।

मुझे नहीं पता कि अब उन्हें क्या कहा जाता है, लेकिन लगभग पाँच साल पहले यह अपमानजनक शब्द हुआ करता था। इस तरह के शब्द उन लोगों के लिए अनुपयुक्त हैं जो सही काम करने और ईश्वर के लिए जीने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। किसी भी मामले में, जब आप अध्याय 4 के अंत में वंशावली को देखते हैं, तो आपको नामों के संदर्भ में सेठ की वंशावली के साथ कुछ आकर्षक समानताएँ दिखाई देती हैं।

मेरे पास इस बारे में बात करने का समय नहीं है। अभी नहीं। हम शायद सोमवार को इस बारे में बात करेंगे।

मैं आपको संस्कृति के विकास के संदर्भ में दो बातों पर ध्यान दिलाना चाहता हूँ। यहाँ कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण चीजें हो रही हैं। वीणा और सारंगी बजाने वाले सभी लोगों के पिता।

संगीत से जुड़ी चीज़ें। लोहे और कांसे से तरह-तरह के औज़ार बनाना। यह किसी समय की सभ्यता के स्तर के बारे में बात कर रहा है।

मुझे नहीं पता कि यह कब हुआ था, लेकिन यह दिलचस्प है। अब, हो सकता है कि यह बाद के लेखक द्वारा लिखा गया हो, लेकिन फिर भी यह दिलचस्प है। संस्कृति के कुछ अन्य पहलू भी हैं जो बहुत बदसूरत हैं, और वह है लेमेक, जो कहता है, मैंने एक आदमी को मार डाला क्योंकि उसने मुझे घायल कर दिया था।

अगर कैन का बदला सात बार लिया गया, तो लेमेक का सत्तर-सात बार। हम इस बदसूरत बात से नहीं, बल्कि इस तथ्य से समापन करने जा रहे हैं कि मुझे लगता है कि संभवतः यीशु, जब वह पीटर से कहता है, तुम्हें सत्तर गुना सात बार माफ़ करना होगा, जब पीटर कहता है, मुझे कितनी बार किसी को माफ़ करना होगा? यीशु इस भ्रम की ओर वापस लौट रहे हैं जब वह कहता है, सात बार नहीं। यह न्यूनतम है।

सत्तर गुणा सात। यही वह क्षमा है जो हमें लेमेक के विपरीत देने की आवश्यकता है जो मौके पर ही बदला ले रहा है।

इस खुशी के अवसर पर, शब्बत शालोम।